Publication: Navbharat

Headline: Silver Surprises everyone

Edition: All Editions

Date: 11th April, 2011

Coverage –

चांदी ने किया हतप्रभ

निवेशक हुए मालामाल

इन दिनों चांदी की तेजी आश्चर्यचकित करने वाला है. उद्योग विशेषज्ञों ने कहा है कि यदि अगले कुछ माह में चांदी का भाव 75,000 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच जाता है, तो इसमें हैरानी नहीं होनी चाहिए.

औद्योगिक मांग बढ़ने से चांदी के भाव नित नई ऊंचाईयां नाप रहे हैं. बढ़ती मांग और कमजोर उपलब्धता के चलते इस सफेद कीमती धातु के आसमान छूते दामों से जहां एक तरफ कारोबारी हैरान-परेशान हैं, वहीं निवेशकों को यह मालामाल कर रही है.

चालू कैलेंडर साल यानी 2011 के पहले तीन माह में ही चांदी के निवेशकों को 30 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न मिल चुका है. 1 जनवरी, 2011 को दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी का भाव जहां 46,750 रुपए प्रति किलोग्राम था, वहीं 9 अप्रैल को यह 61,400 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच चुकी थी. पिछले 15 माह में चांदी का दाम 125 प्रतिशत बढ़ चुका है. एक जनवरी, 2010 को चांदी की कीमत 27,100 रुपए प्रति किलोग्राम थी. बांबे बुलियन एसोसिएशन के अध्यक्ष पृथ्वीराज कोठारी ने 'भाषा' से कहा कि चांदी की कीमतों में तेजी की वजह इसकी अत्यधिक मांग के साथ उपलब्धता की कमी है. कोठारी ने कहा कि आज दुनिया भर में चांदी की औद्योगिक मांग में जोरदार इजाफा हो चुका है. खासकर इलेक्ट्रॉनिक्स और बिजली जैसे क्षेत्रों में चांदी का जमकर इस्तेमाल हो रहा है, जबकि उस हिसाब से इसका उत्पादन नहीं बढ़ पाया है.

3000-3500 टन के आयात की उम्मीद

- कोठारी का मानना है कि 2011 में ऊंची कीमतों के बावजूद देश में चांदी के आयात में इजाफा होगा. कोठारी ने कहा कि इस साल चांदी का आयात 3,000 से 3,500 टन के बीच रह सकता है.
- ऑल इंडिया सर्राफा एसोसिएशन के उपाध्यक्ष सुरेंद्र जैन ने कहा कि चांदी की कीमतों में अभी तेजी का सिलसिला बना रहेगा और इसमें निवेश करने वाले निवेशक फायदे में रहेंगे.
- जैन ने कहा कि चांदी की खपत औद्योगिक मांग की वजह से बढ़ी है. औद्योगिक क्षेत्र में इस्तेमाल होने वाली चांदी दोबारा बाजार में नहीं आती. इससे कमी पैदा हो गई है. हालांकि, जैन चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव के लिए वायदा कारोबार को भी जिम्मेदार ठहराते हैं.
- वह कहते हैं कि बेशक चांदी की मांग बढ़ी है, पर कीमतों में इतने अधिक उतार-चढ़ाव के लिए वायदा कारोबार जिम्मेदार है. उद्योग विशेषज्ञों मानते हैं कि चांदी में निवेश करना अभी फायदे का सौदा है.
- बांबे बुलियन एसोसिएशन के अध्यक्ष कोठारी ने कहा कि 60,000 के बाद अब चांदी के दाम 75,000 रुपए प्रति किलोग्राम तक भी जा सकते हैं.

पिछले सभी रिकार्ड ध्वस्त

वैश्विक तेजी के बीच स्टाकिस्टों और सटोरियों की भारी लिवाली के चलते समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान दिल्ली सर्राफा बाजार में सोने, चांदी के भाव पिछले सभी रिकार्ड को ध्वस्त करते हुए नई ऊंचाई को छू गए. जहां चांदी के भाव 61,400 रुपए किलो और सोने के भाव 21,545 रुपए प्रति 10 ग्राम की रिकार्ड ऊंचाई तक जा पहुंचे. विदेशी बाजारों में आई तेजी से स्थानीय बाजार धारणा मजबूत हुई. डॉलर कमजोर पड़ने से अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की मांग बढ़ गई. चांदी के भाव 31 साल के उच्च स्तर 40 डॉलर प्रति औंस को पार कर गए. आमतौर पर घरेलू बाजार का रुख तय करने वाले वैश्विक बाजार में सोने के भाव 1476.40 डॉलर और चांदी के भाव 31 साल के उच्च स्तर को पार कर 40.97 डॉलर प्रति औंस तक जा पहुंचे.